चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.07.2021	--	--

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण सम्पन्न, प्रदेश के 40 किसानों ने लिया हिस्सा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.07.2021	--	--

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। देश में किसानों की आवश्यकतानुसार फसलों की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ विस्तार और शोध को अहम अनुसार काम करना होगा। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहे। वे बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे करवाया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार शोध की रूपरेखा बनाएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	06.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	06.07.2021	--	--

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उन्नत गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021)को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे करवाया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज को उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से

अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके।

बाजरा की एचएचबी 311 किस्म विभिन्न राज्यों के लिए जारी

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	06.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन
प्रदेश के 40 किसानों ने लिया हिस्सा

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आस-पास के किसानों के साथ अवश्य बांटें और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अन्य किसान भी लाभान्वित हो सकें।

> आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया

उन्होंने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मौजूदा समय में बागवानी के प्रति किसानों का रुझान बढ़ रहा है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	06.07.2021	--	--

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.07.2021	--	--

बाजरे की उच्च गुणवत्ता किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए : कुलपति

हिसार:04 जुलाई/रिपोर्टर

देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने प्रकट किए। वे बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे करवाया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता करवाई जाए। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से कहा कि किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.07.2021	--	--

परम्परागत खेती की बजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं: डॉ. सिंह

हिसार. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आस-पास के किसानों के साथ अवश्य सांझा करें और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अन्य किसान भी लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मौजूदा समय में बागवानी के प्रति किसानों का रुझान बढ़ रहा है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह ने खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती की बजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बागवानी की फसलों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को बाग लगाने के प्रति जागरूक किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बाग लगाने से पहले बेहतर उत्पादन हासिल करने के लिए मिट्टी व पानी की जांच, मिट्टी के नमूने लेने का सही तरीका, बाग का रेखांकन, गड्ढे खोदना, उनको भरना, खाद डालना, किस्मों का चुनाव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इसके अलावा छोटे पौधों व फलों को कीट व बीमारियों से बचाव के लिए भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बागवानी में इस्तेमाल होने वाले औजारों व मशीनों की जानकारी दी गई। साथ ही बागवानी विभाग की ओर से किसानों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	06.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

पल पल न्यूज़:हिसार, 5 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए औषधीय पौधों से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल जानकारी प्राप्त करके वे अपने आस-पास के किसानों के साथ साझा करें और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अन्य किसान भी लाभान्वित हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	06.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	05.07.2021	--	--

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रो. बी.आर. काम्बोज

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 5 जुलाई : देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे करवाया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाए रखें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.07.2021	--	--

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : कुलपति

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उन्हें अनुरूप बीज की उपलब्धता बनाए रखें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए, ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके।

बाजरा की एचएचबी 311 किस्म विभिन्न राज्यों के लिए जारी

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाईब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण)

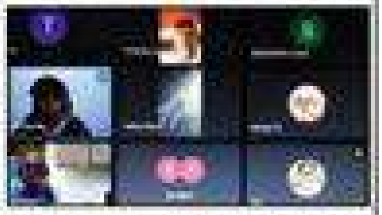

डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आस-पास के किसानों के साथ अवश्य बांटें और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अन्य किसान भी लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मौजूदा समय में बागवानी के प्रति किसानों का रुझान बढ़ रहा है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया। उन्होंने कहा कि परम्परागत खेती की बजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बागवानी की फसलों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को बाग लगाने के प्रति जागरूक किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बाग लगाने से पहले बेहतर उत्पादन हासिल करने के लिए मिट्टी व पानी की जांच, मिट्टी के नमूने लेने का सही तरीका, बाग का रेखांकन, गड्ढे खोदना, उनको भरना, खाद डालना, किस्मों का चुनाव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इसके अलावा छोटे पौधों व बागों को कीट व बीमारियों से बचाव के लिए भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बागवानी में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों व मशीनों की जानकारी दी गई। साथ ही बागवानी विभाग की ओर से किसानों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी	06.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	05.07.2021	--	--

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रो. काम्बोज

हिसार, 5 जुलाई (देवानंद): देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए, जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाए रखें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों

बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके।

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

बाजरा की एचएचबी 311 किस्म विभिन्न राज्यों के लिए जारी : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	6.7.21	2	7-8

NEW VARIETY OF PEARL MILLET RELEASED

Hisar: Vice-Chancellor of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University Prof BR Kamboj urged the agriculture scientists to focus on research and development of a new variety of high quality seeds, which are disease resistant. Interacting with the agriculture scientists during a review meeting of the research projects and technical programme of pearl millet and oilseeds in the university, the VC said a survey of the pearl millet areas in Haryana, Rajasthan, and Gujarat should be undertaken to identify the needs of farmers. Research Director Dr SK Sahrawat informed that the HAU had released the new variety of the bio-fortified hybrid HHB 311 variety of pearl millet for the states of Haryana, Punjab, Rajasthan, Gujarat, Delhi, Maharastra and Tamilnadu.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	6.7.21	9	4-7

फसल | शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सुझाव दिए

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरे की किस्में

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। यह बात कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021)को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों से कही। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक ओर अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाए रखें।

हिसार। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

■ राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता सर्वे कर लगाया जाए

अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा की।

बाजरा की एचएचबी 311 किस्म जारी

डॉ. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सुझाव दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.7.21	4	1-7

खेतीबाड़ी

चौं. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति ने बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

बाजरा की उच्च गुणवत्ता, रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित करें : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहे।

वह बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए, जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं, इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाए रखें।

अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडू के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक मौजूद रहे।

'खाद, बीज एवं दवाइयों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करें'

हिसार। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक रोहताश सिंह ने खाद, बीज एवं दवाइयों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने, मेरा पानी-मेरी विरासत और मेरी फसल-मेरा ब्यौरा योजना की समीक्षा को लेकर सोमवार को विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने फसलों का शत-प्रतिशत पंजीकरण करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त निदेशक ने कहा कि कृषि अधिकारी सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार एवं प्रसार करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित किए गए लक्ष्यों के अनुसार किसानों की फसलों का पंजीकरण करें। चालू सप्ताह के दौरान 20-20 खाद के नमूने लेकर विश्लेषण के लिए संबंधित प्रयोगशाला में भेजे। उप-कृषि निदेशक डॉ. विनोद फोगाट ने बैठक में विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी। बैठक में संबंधित उपमंडल कृषि अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, गुण नियंत्रण निरीक्षक एवं तकनीकी सहायकों की प्रगति की समीक्षा की गई। ब्यूरो

बैठक करते कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक व अन्य।

प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को अन्य किसानों से बांटे : डॉ. गोदारा

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आस-पास के किसानों के साथ अवश्य बांटे और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अन्य किसान भी लाभांवित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती की बजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं। प्रशिक्षण में 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.7.21	2	7-8

वीसी ने कहा-बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में कराया जाना चाहिए सर्वे

एचएयू में अनुसंधान योजनाओं पर समीक्षा बैठक हुई

भास्कर न्यूज | हिसार

देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। एचएयू वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं व तकनीकी कार्यक्रम को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में सर्वे कराया जाना चाहिए। जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की एचएयू द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। एचएयू अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा ने जानकारी दी। डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	6.7.21	7	8

'बाजरे की किस्मों को विकसित करने की जरूरत'

हिसार, 5 जुलाई (निस)

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि देशभर में बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा।

कुलपति बीआर कम्बोज ने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए, जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं। सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक ओर अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाये रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.7.21	4	1-5

बैठक — सर्वे से अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को इजाद करने में मिलेगी मदद

बाजरा उगाने वाले प्रदेशों में किस्मों का सर्वे करेगी एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021)को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें बाजरे की अच्छी किस्म तैयार करने के लिए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं, इसका पता चल सकेगा। सर्वे अनुसार गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें।

प्रो. बीआर कांबोज। • सौजन्य एचएयू

कृषि विज्ञान केंद्र जानकारी पहुंचाएं

कुलपति ने विज्ञानियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके।

बाजरा की एचएचबी 311 किस्म विभिन्न राज्यों के लिए जारी

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. एसके पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. रामअवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। भविष्य की कार्ययोजना को लेकर चर्चा की। डा. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोर्टिफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म.राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडू के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक मौजूद रहे।

प्रदेश के 40 किसानों ने एचएयू में बाग लगाने को लेकर लिया प्रशिक्षण

हिसार (विज्ञप्ति): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए आनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आस-पास के किसानों के साथ अवश्य बांटें और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अन्य किसान भी लाभांवित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मौजूदा समय में बागवानी के प्रति किसानों का रूझान बढ़ रहा है। प्रशिक्षण संयोजक डा. सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती के बजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बागवानी की फसलों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को बाग लगाने के प्रति जागरूक किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.7.21	2	7-8

बागवानी से कर सकते हैं अच्छी आमदनी : डॉ. अशोक

हिसार | एचएयू में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया।